डीएमआईटी

वार्षिक रिपोर्ट - 2020

50, Arpit Nagar, Gandhi Path, Vaishali Nagar, Jaipur (Raj.) - 302021

विज्ञान के अनुसार 14 से 24 सप्ताह में भ्रूण के विकास के समय मस्तिष्क के विकास के अनुसार ही हमारे हाथों के निशानों का पैटर्न बनता है जो की दर्शाता है की ये दोनों जुड़े हुए है। DMIT हमारे उंगुलियों के निशान का एक वैज्ञानिक अध्ययन है जो किसी व्यक्ति की क्षमता और व्यक्तित्व को समझने में मदद करता है। हमारा उद्देश्य प्रत्येक नागरिक को उनकी अनेक क्षमताओं के बारे में बताना है जिससे वे अपनी जन्मजात प्रतिभा और जीवन की क्षमताओं के बारे में जान सके जो की सर्वशक्तिमान ईश्वर द्वारा प्रदान की गयी है।

कुछ लोग अपनी क्षमताओं का उपयोग करने में असमर्थ होते है क्योंकि वे नहीं जानते की उनके पास यह प्रतिभा है। जिसके कारण वे इसके बारे में कुछ नहीं कर पाते है और अपने भविष्य को उज्जवल बनाने के लिए अपनी प्रतिभा के अनुसार एक नौकरी नहीं ढूंढ पाते है और बेरोजगार रहते है।

ऑनलाइन फाउंडेशन का उद्देश्य लोगों के अंदर छिपी प्रतिभा को सामने लाना है ताकि लोग उस छिपी प्रतिभा का लाभ उठा सकें।हमने ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में स्कूलों और कॉलेजों में डीएमआईटी के जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए हैं, और हमने डीएमआईटी के 500 केंद्रों को प्रशिक्षित किया है और 1 लाख से अधिक लोगों को प्रशिक्षण दिया गया है। अब तक 100+ से अधिक ऑनलाइन और ऑफलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये जा चुके है।

हमारा मकसद भारत के ऐसे युवाओं को दिशा दिखाना है जो अपने भविष्य के बारे में चिंतित हैं। हम उन्हें काउंसलर बनने में भी मदद करते हैं। हम उनके भविष्य को उज्जवल बनते हुए देख रहे है। हम आशा करते है की भारत को विश्वगुरु बनाने के संकल्प में अपना अमिट योगदान देंगें।

निचे DMIT प्रशिक्षण से सबंधित रिपोर्ट दी गयी है -

प्रशिक्षण की संख्या	50+
केंद्र संख्या	500 across India
DMIT प्रशिक्षकों की संख्या	28

सुश्री प्रियंका माने

DMIT विंग चेयरमैन